विद्या भारती संकुल संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

अक्तूबर 2023 | भाद्रपद - कार्तिक । विक्रमी सं. 2080

श्री विजयादशमी उत्सव (आश्विन शुद्ध दशमी, मंगलवार दिनांक 24 अक्तूबर 2023) के अवसर पर प. पू. सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी के उद्बोधन का अंश...

अखिल भारतीय ATL एवं कौशल विकास कार्यशाला

अखिल भारतीय खेलकूद प्रतियोगिता

श्री विजयादशमी उत्सव (आश्विन शुद्ध दशमी, 24 अक्तूबर 2023)के अवसर पर प. पू. सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के उद्बोधन का अंश...

- भारत के बाहर के लोगों की बुद्धि चकित हो जाए, परंतु मन आकर्षित हो जाए ऐसी एकता की परंपरा हमारी विरासत में हमको मिली है। उसका रहस्य क्या है? नि:संशय वह हमारी सर्व समावेशक संस्कृति है। पूजा, परंपरा, भाषा, प्रान्त, जाति-पाती इत्यादि भेदों से ऊपर उठकर, अपने कुटुंब से संपूर्ण विश्वकुटुंब तक आत्मीयता को विस्तार देने वाली हमारी आचरण की व जीवन जीने की रीति है। हमारे पूर्वजों ने अस्तित्व की एकता के सत्य का साक्षात्कार किया। उसके फलस्वरूप शरीर, मन, बुद्धि की एक साथ उन्नति करते हुए तीनों को सुख देने वाला, अर्थ, काम को साथ चलाकर मोक्ष की तरफ अग्रेसर करने वाला धर्मतत्व उनको अवगत हुआ। उस प्रतीति के आधार पर उन्होंने धर्मतत्व के चार शाश्वत मूल्यों (सत्य, करुणा, शुचिता व तपस) को आचरण में उतारने वाली संस्कृति का विकास किया। चारों ओर से सुरक्षित तथा समृद्ध हमारी मातृभूमि के अन्न, जल, वायु के कारण ही यह संभव हुआ। इसलिए हमारी भारत भूमि को हमारे संस्कारों की अधिष्ठात्री माता मानकर उसकी हम भक्ति करते हैं।
- हाल ही में स्वतन्त्रता संग्राम के महापुरुषों का स्मरण अपनी स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के निमित्त हमने किया। हमारे धर्म, संस्कृति, समाज व देश की रक्षा, समय समय पर उनमें आवश्यक सुधार तथा उनके वैभव का संवर्धन जिन महापुरुषों के कारण हुआ, वे हमारे कर्तृत्व सम्पन्न पूर्वज हम सभी के गौरव निधान हैं तथा अनुकरणीय हैं। हमारे देश में विद्यमान सभी भाषा, प्रान्त, पंथ, संप्रदाय, जाति, उपजाति इत्यादि विविधताओं को एक सूत्र में बाँधकर एक राष्ट्र के रूप में खड़ा करने वाले यही तीन तत्व (मातृभूमि की भक्ति, पूर्वज गौरव, व सबकी समान संस्कृति) हमारी एकता का अक्षुण्ण सूत्र है।
- वर्ष 2025 से 2026 का वर्ष संघ के 100 वर्ष पूरे होने के बाद का वर्ष है।

- पाँच आचरणात्मक बातों का होना सभी चाहते हैं। परंतु छोटी-छोटी बातों से प्रारंभ कर उनके अभ्यास के द्वारा इस आचरण को अपने स्वभाव में लाने का सतत प्रयास आवश्यक है।

१. समाज के आचरण में, उच्चारण में संपूर्ण समाज और देश के प्रति अपनत्व की भावना प्रकट हो। मंदिर, पानी, श्मशान में कहीं भेदभाव बाकी है, तो वह समाप्त हो।

२. परिवार के सभी सदस्यों में नित्य मंगल संवाद, संस्कारित व्यवहार व संवेदनशीलता बनी रहे, बढ़ती रहे व उनके द्वारा समाज की सेवा होती रहे।

३. सृष्टि के साथ संबंधों का आचरण अपने घर से पानी बचाकर, प्लास्टिक हटाकर व घर आँगन में तथा आसपास हरियाली बढ़ाकर हो।

४. स्वदेशी के आचरण से स्व-निर्भरता व स्वावलंबन बढ़े। फिजूलखर्ची बंद हो। देश का रोजगार बढ़े व देश का पैसा देश में ही काम आए। इसीलिए स्वदेशी का भी आचरण घर से ही प्रारंभ होना चाहिए।

५. कानून व्यवस्था व नागरिकता के नियमों का पालन हो तथा समाज में परस्पर सद्भाव और सहयोग की प्रवृत्ति सर्वत्र व्याप्त हो।

शैक्षिक प्रयोग

नवाचार आधारित अधिगम: सशक्त शैली

कुरुक्षेत्र । गीता निकेतन आवासीय विद्यालय विद्यार्थियों को नवाचार और प्रयोग आधारित संरचनात्मक वातावरण प्रदान कर आत्म अन्वेषण के लिए प्रेरित करता है। भारतीय शिक्षा प्रणाली प्रशिक्षण माध्यमों से अर्जित ज्ञान प्रशिक्षु के ज्ञान्नेद्रीय विकास में जीवत पर्यन्त विशेष महत्व रखता है। भारतीय शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार ज्ञान्नेद्रिय जनित ज्ञान व्यावहारिक और अनुभव से युक्त होता है। गुरुकुलीय शिक्षा प्रणाली में बालक को जीवन जीने की कला सिखाने हेतु क्रिया आधारित और अनुभव आधारित शिक्षण पद्धति पर बाल दिया जाता था। वेदों और उपनिषदों में भी शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य बालक को जीवनोपयोगी बनाता है ताकि वह स्वयं, परिवार और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन भली भांति से कर सके।

ऋग्वेद के अनुसार शिक्षा वह साधन है जिसके द्वारा विद्यार्थी अपने आन्तरिक और बाहय पक्षों के बारे में जानता -समझता है। विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालयों का उद्देश्य चलाई गई परंपरागत, शिक्षक केंद्रित और रट्टा लगाने पर आधारित शिक्षा पद्धति को समाप्त कर बाल केंद्रित क्रिया आधारित शिक्षा पद्धति द्वारा भारतीय शिक्षा का प्रतिमान खड़ा करना हैं। हमारा विश्वास है कि शैक्षिक उत्कृष्टता विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, ईमानदारी, सहयोग और दयालुता जैसे गुणों के विकास से ही प्राप्त की जा सकती है। विद्या भारती द्वारा बनाई गई नीतियां एवं योजनाओं का उद्देश्य विद्याथियों के व्यक्तित्व का विकास है जो उनमें चारित्रिक गुण, समूहकार्य की समझ, समाज से जुडाव ,नेत्रत्व क्षमता मानव एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता जैसे व्यक्तित्व के गुण विकसित होने लगता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय विद्यार्थियों को नवाचार और प्रयोगाधारित संरचनात्मक वातावरण प्रदान करता है और उन्हें उनका आत्म अन्वेषण करने हेतु प्रेरित करता है।-

- शैक्षिक उत्कृष्टता के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए डिबेट, भाषण, प्रश्नमंच, रचनात्मक कक्षा-कक्ष प्रतियोगिताएं, जस्ट ए मिनट गतिविधि, माइम, कोरियोग्राफी, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, फोटोग्राफी, मॉक पार्लियामेंट आदि का आयोजन किया जाता है।

- वाणिज्य एक जीवंत और व्यावहारिक विषय है जो दैनिक घटनाओं से जोड़ता है।
- इसे और रुचिकर बनाने के लिए प्रत्येक सिद्धांत को क्रिया आधारित तरीके से जोड़कर समझाया जाता है।
- विद्यार्थी कक्षा-कक्ष में सिखाए गए नियमों को स्वयं करके सीखें, इसके लिए व्यापार मेलों का आयोजन किया जाता है।
- विद्यार्थी स्वयं अपने उत्पाद का डिजाइन और नाम तक तय करते हैं।
- विद्यार्थी औद्योगिक क्षेत्र, डाकघर, मॉल्स, डिपार्मेंटल स्टोर्स आदि के भ्रमण से व्यवहारिक पक्ष सीखकर उसका प्रयोग प्रोजेक्ट बनाने में करते हैं।
- माक प्रोजेक्ट के माध्यम से विद्यार्थी पांच एम यानि मनी, मैनपावर, मैटिरियल, मशीन और मेथड के बारे में सीखते हैं।
- मॉक स्टॉक एक्सचेंज और मॉक ए.जी.एम. जैसे कार्यक्रमों से बच्चों की औद्योगिक समझ व सैद्धांतिक ज्ञान में बढ़ोतरी होती है।
- आनंददायी अधिगम के लिए, कॉमर्स फेस्ट और कम्फेस्टो जैसे कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है।
- इन कार्यक्रमों से लाभ के रूप में अर्जित धनराशि का कुछ हिस्सा विद्यार्थी सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में दान करते हैं।
- काम का बंटवारा, निर्देशन की समरूपता तथा विकेंद्रीयकरण जैसे प्रबंध सिद्धांत न केवल कक्षा कक्ष में बताए जाते हैं, बल्कि नवाचार अधिगम विधियों से सिखाए भी जाते हैं।

अखिल भारतीय ATL एवं कौशल विकास कार्यशाला

मध्यभारत । सरस्वती शिशु मंदिर टिमरनी में 7-8 अक्टूबर को दो दिवसीय अखिल भारतीय अटल टिकरिंग लैब एवं कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती के संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत ने कहा कि 900 सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यालयों में ATL लैब के माध्यम से छात्रों को इनोवेशन एवं नई सोच के माध्यम से आगे बढ़ना सिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकल फार वोकल एवं आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए युवा वैज्ञानिकों को तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशेष रूप से विद्या भारती के सह संगठन मंत्री श्री श्रीराम आरावकर, मध्य भारत प्रांत प्रमुख रामजी भावसार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बिहार, असम, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान सहित 27 प्रांतों के 45 कार्यकर्ता शामिल रहे।

श्रध्देय विनायकराव फाटक समूहगान प्रतियोगिता सम्पन्न

नागपुर । विद्या भारती की नागपुर महानगर इकाई एवं धरमपेठ शिक्षण संस्था नागपुर के सहयोग से श्रद्धेय विनायकराव फाटक की स्मृति में महर्षि व्यास सभागार रेशिमबाग में देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता दो समूहों में आयोजित की गई थी। समूह अ-कक्षा 1 से 4, समूह ब-कक्षा 5 से 10 तक ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नागपुर के महानगर सहसंघचालक मा. श्रीधरजी गाडगे तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ.संजय घटाटे-उपाध्यक्ष विद्या भारती नागपुर महानगर थे। विदर्भ एवं देवगिरी प्रांत संगठन मंत्री शैलेशजी जोशी, विदर्भ प्रांत उपाध्यक्ष प्रांजली जोशी, प्रांत मंत्री डॉ.मंगेशजी पाठक, नागपुर महानगर मंत्री संदीप पंचभाई की प्रमुख उपस्थिति रही ।

प्रांत स्तरीय संस्कृति महोत्सव एवं बौद्धिक प्रतियोगिता का आयोजन

मध्यभारत | विद्याभारती मध्यभारत प्रांत की योजनानुसार सरस्वती शिशु मंदिर उ.मा. विद्यालय अशोकनगर में प्रांत स्तरीय संस्कृति महोत्सव प्रतियोगिता का उद्घाटन दिनांक 07 अक्तूबर किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्याभारती मध्यभारत प्रांत के 05 विभागों (शिवपुरी, ग्वालियर, राजगढ़, भोपाल, नर्मदापुरम) के 16 जिलों के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों के 450 प्रतिभागी छात्र/छात्रा एवं 50 संरक्षक शिक्षक/शिक्षिकाओं ने सहभागिता की।

संस्कृति महोत्सव में प्रशंमंच, प्रथमाक्षरी, व्यक्तिगत गीत, निबंध प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला, गीतापाठ, एकल भजन, कथा-कथन, तात्कालिक भाषण, तबला वादन, शास्त्रीय गायन, शास्त्रीय नृत्य, एकल अभिनय, मूर्तिकला, स्वरचित कविता, वन्देमातरम् आदि लगभग 18 प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती रश्मि रघुवंशी, प्रियकांत माथुर, जयमण्डल यादव, समिति कोषाध्यक्ष विभाग समन्वयक विभाग समन्वयक गुरूचरण गौड़ ब्रह्मदेव शर्मा विद्यालय के शिक्षक, प्रतिभागी छात्र/छात्रा आदि की उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उद्घाटन सत्र में कहा कि केवल विद्याभारती द्वारा पूरे भारत वर्ष में इस प्रकार की बौद्विक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार की संस्कृति महोत्सव एवं बौद्विक प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्र/छात्राओं को अपनी भारतीय संस्कृति से जोड़ना है सभी प्रतिभागियों को खेल भावना से न खेलते हुये आनंद से साथ सभी अपनी विधाओं का प्रदर्शन करें।

संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

छत्तीसगढ़ | वनांचल शिक्षा सेवा न्यास छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में चलने वाली जनजाति क्षेत्र की शिक्षा के अंतर्गत सरस्वती शिक्षा केंद्र (एकल आचार्य) संकुल केंद्र रजगामार, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) के छात्र / छात्राओंका एक दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में श्री चन्द्र किशोर श्रीवास्तव (प्रांतीय सचिव वनांचल शिक्षा सेवा न्यास छत्तीसगढ़), श्रीमती रुपेश्वरी राठिया (सरपंच कोरकोमा ग्राम पंचायत), श्री उमेश्वर सोनी (संकुल प्रभारी) मंच में विराजमान थे। रजगामार संकुल के अंतर्गत 13 केंद्रों से 127 प्रतिभागी छात्र उपस्थित थे।

विद्या भारती पूर्व क्षेत्र कार्यकारिणी बैठक

सिलीगुडी । विद्या भारती पूर्व क्षेत्र कार्यकारिणी बैठक में सिक्किम, उत्तर बंग, दक्षिण बंग एवं ओडिशा प्रान्त से 13 प्रतिनिधि शामिल रहे। बैठक में 22 विषयों पर चर्चा हुई। इनमें प्रमुख रूप से सांगठनिक कार्य की गुणवत्ता, संस्कार पक्ष, विस्तार, विकास एवं देश, समाज के लिए शैक्षिक सामाजिक कार्य, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए प्रयास, प्रशिक्षण, जनजागरण आदि शामिल हैं।

क्षेत्रीय शिशु वाटिका टोली बैठक

ओडिशा । विद्या भारती पूर्व क्षेत्र की क्षेत्रीय शिशु वाटिका टोली बैठक सरस्वती शिशु मन्दिर केन्द्रझरगड में 29-30 सितम्बर को संपन्न हुई। बैठक में क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख, सह प्रमुख, प्रान्त प्रमुख, संयोजक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें सिक्किम, उत्तर बंग, दक्षिण बंग एवं ओडिशा प्रान्त शामिल है। विद्या भारती सिक्किम से शिशु वाटिका प्रमुख अनिता सुब्बा, कोकिला क्षेत्री एवं इलिजा राई ने भाग लिया।

“राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : अवसर और चुनौती” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

विद्या भारती पूर्व क्षेत्र | स्कूल स्तर पर एनईपी 2020 के निहितार्थ में अवसर और चुनौती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

दिनांक: 07-08 अक्टूबर, 2023

स्थान: सारदा विद्यामंदिर (ई.एम.) रायगंज, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंग

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

सिक्किम । गांधी जयन्ती पर नेशनल मेडिकॉस आर्गेनाइजेशन ने सरस्वती विद्या निकेतन, पाचेखानी, पाकयोग, पूर्व सिक्किम में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विद्यार्थी वर्ग, अभिभावकगण, समिति के सदस्य एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। आयोजन में विद्यालय के सह प्रधानाचार्य श्री तुलसी शर्मा, विद्यालय प्रबंधन समिति एवं अचार्यों ने सहयोग किया। सिक्किम प्रदेश की स्वतंत्रता सेनानी हेलेन लेप्चा की स्मृति में आयोजित हेलन लेप्चा स्वास्थ्य सेवा यात्रा शिविर में डाक्टर मिरिनमॉय अधिकारी, सचिव नेशनल मेडिकॉस आर्गेनाइजेशन पश्चिम बंगाल एवं डॉक्टर दीपेंद्र ओली, डुगालाखा, पूर्व सिक्किम का विशेष योगदान रहा।

पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव

मथुरा । विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालयों में किस तरह की शिक्षा दी जा रही है, इसका प्रकटीकरण 11 अक्टूबर को दीनदयाल धाम में हुआ। फरह में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।महोत्सव में मुख्य अतिथि विद्या भारती बृज प्रांत के संगठन मंत्री हरीशंकर जी ने बताया कि यहां संस्कार, सदाचार और मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान की जाती है। पं. दीनदयालजी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिन्तक और संगठनकर्ता थे।

विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद चित्तौड़ प्रांत की बैठक

भीलवाड़ा । विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद चित्तौड़ प्रांत की बैठक आदर्श विद्या मंदिर शास्त्रीनगर भीलवाड़ा में संपन्न हुई। इस अवसर पर विद्या भारती के क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री श्री गोविंद कुमार ने पूर्व छात्रों को समाज जागरण में भूमिका समझाते हुए आगामी समय में करने योग्य कार्यों की चर्चा की। पूर्व छात्र परिषद चितौड़ प्रांत के संयोजक डॉक्टर विक्रम मेनारिया ने विद्या भारती से प्राप्त संस्कारों को समाज में स्थापित करने की बात कही। सह संयोजक आशीष जाजू ने बताया कि बैठक में प्रांत सह सहसंयोजक डॉ. विनय ग्वालानी सहित 12 जिलों के 60 पूर्व छात्र उपस्थित रहे। संचालन दुष्यन्त शर्मा ने किया।

सरस्वती बाल संस्कार केंद्र का अवलोकन

गाजियाबाद | सरस्वती शिशु मंदिर नेहरु नगर गाजियाबाद द्वारा संचालित सरस्वती बाल संस्कार केन्द्र, लाल कुआं, गाजियाबाद पर विद्या भारती, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री श्री हेमचंद, मेरठ प्रान्त के सह प्रांत सेवा प्रमुख श्री मोहन सिंह, प्रदेश निरीक्षक श्री विशोक तथा श्री शिवकुमार शर्मा शैक्षिक प्रमुख श्री महेश शर्मा रहे। रजगामार संकुल के अंतर्गत 13 केंद्रों से 127 प्रतिभागी छात्र उपस्थित थे।

‘ इनर व्हील क्लब ’ काशीपुर

उत्तराखंड | 10 अक्टूबर | डॉ जगदीश चंद्र गुप्ता गोपाल चंद्र गुप्ता सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जैतपुर घोसी काशीपुर में ‘इनर व्हील क्लब’ काशीपुर की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती संध्या गुप्ता, अध्यक्ष श्रीमती निधि अग्रवाल, सचिव श्रीमती सोनाली गर्ग के साथ ही क्लब के सम्मानित सदस्यों ने विद्यालय में पहुंचकर बहिनों के कौशल विकास के लिए चल रहा रनिंग 'सिलाई केंद्र' का उदघाटन किया।

आदर्श शिशु वाटिका रानीपुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) का अवलोकन

उत्तराखंड | 11 अक्टूबर | आदर्श शिशु वाटिका रानीपुर हरिद्वार उत्तराखण्ड़ का अवलोकन करते हुए राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महन्त, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री डोमेश्वर साहू, प्रान्त संगठन मंत्री भुवन चन्द्र, प्रदेश निरीक्षक डॉ. विजय पाल, सह प्रदेश निरीक्षक श्री विनोद रावत।

सरस्वती विद्या मन्दिर में माता पुत्री गोष्ठी आयोजित

फतेहपुर | 15-16 सितम्बर | सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज वीआईपी रोड में बालिका शिक्षा बैठक का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रेखा चूडासमा (अखिल भारतीय बालिका शिक्षा संयोजिका) ने बताया कि बालिकाएं किस प्रकार शिक्षित एवं संस्कारिक हो एवं माता पुत्री गोष्ठी में माताएं एवं पुत्रियों की समस्याओं को सुना और उसका समाधान कैसे हो उसके बारे में बताया। श्री हेमचन्द्र क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने परिवार प्रबोधन के विषय में विस्तार से आचार्य बहनों को जानकारी दी।

शैक्षिक समूह की पहली बैठक, दीमापुर

**15 अक्टूबर को शैक्षिक समूह की पहली बैठक, दीमापुर
अखिल भारतीय उपाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) रवीन्द्र रामचन्द्र कान्हेरे की उपस्थिति।**

एजुकेशन सेमिनार

गारो हिल्स पाहम(Garo hills paham) विद्या भारती विद्यालय में एजुकेशन सेमिनार (विषय: 'भारतीय शिक्षा') हुआ जिसमें आस पास के गांव से 1200 लोग, 22 शिक्षक व शिक्षित व्यक्तियों ने भाग लिया।

हिमाचल टेक लीग

सरस्वती विद्या मंदिर हिम रश्मि, शिमला ने हिमाचल टेक लीग 2023 में 16 विद्यायलों एवं लगभग 500 छात्रों के बीच ओवरऑल चैंपियन का पुरस्कार जीता।

अधिकारों से अधिक कर्तव्य के प्रति जागरूकता आवश्यक है: ब्रह्माजी राव

महाकौशल | हम सभी कार्यकर्ता हैं और समाज के सामने संगठनात्मक रूप से उपस्थित रहकर अपने कार्य का संपादन करते हैं। हमारी कार्य पद्धति में अधिकारी भाव कहीं नहीं है इसीलिए अधिकारों से अधिक कर्तव्य के प्रति जागरूकता आवश्यक है। विद्या भारती शिक्षण संस्थान हिंदू जीवन दर्शन पर आधारित संगठन है और व्यक्ति के पूर्ण विकास में सतत प्रयत्नशील है। कार्य में सुविधा की दृष्टि से विद्या भारती ने केंद्रीय विषय आधारभूत विषय और अपने आयाम निर्धारित किए हैं जिनके माध्यम से समाज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में न केवल कार्य करते हैं बल्कि उन विषयों के माध्यम से समाज का बहुमुखी विकास भी होता है इसलिए गुणवत्ता विकास की दृष्टि से हम अपने विषय के तज्ञ बनें, संबंधित विषय के ज्ञान के अंतिम बिंदु तक पहुंचने का प्रयास करें और यह प्रयास तभी सफल होगा जब हम अध्ययन करेंगे और विषय की विशेष योग्यता प्राप्त करने के लिए पूरे मनोयोग से सक्रिय होंगे, और एक बात का विशेष स्मरण रखना होगा कि हमें एक लक्ष्य दिया गया है। एक उद्देश्य पूर्ण कार्य हमारा है अतः उद्देश्य से भटकाव ना हो तभी हम लक्ष्य की सार्थकता सिद्ध कर सकेंगे, हमारे जीवन में स्वाध्याय की महती आवश्यकता है अस्तु सभी प्रकार के साहित्य का अध्ययन करना चाहिए और प्रतिदिन कुछ नया जानने की भी कोशिश करना

चाहिए। कार्य के लिए कार्यकर्ता का नियोजन और उस कार्य के लिए समय का नियोजन ही कार्य पूर्णता का आवश्यक घटक है।

उक्त उद्गार विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री श्री ब्रह्माराव ने विद्या भारती महाकौशल प्रांत द्वारा नई बस्ती कटनी में आयोजित एक दिवसीय जिला टोली बैठक के अवसर पर व्यक्त किया, बैठक में प्रांत के 21 जिलों के 99 कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर विद्या भारती के कार्य में निरंतरता और विस्तार हेतु पाथेय प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्या भारती मध्य क्षेत्र के सह संगठन मंत्री माननीय डॉ आनंद, प्रांत संगठन मंत्री श्री अमितदवे विद्या भारती मध्य क्षेत्र के कोषाध्यक्ष श्री जितेंद्र परिहार, अध्यक्ष श्री बासंतक मणि शर्मा प्रादेशिक सचिव डॉ नरेंद्र कोष्टी, डा आदित्य मिश्रा सहित विद्या भारती परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

अखिल भारतीय वालीबॉल खेल प्रतियोगिता 2023 का उद्घाटन

छत्तीसगढ़ | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के निर्देशानुसार सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ के संयोजकत्व में सरस्वती शिशु मंदिर उच्च. माध्यमिक चाम्पा में आदरणीय आचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी जी कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ. देवनारायण प्रान्त संगठन मंत्री विद्या भारती छत्तीसगढ़, श्री चन्द्र किशोर श्रीवास्तव पर्यवेक्षक/ उपाध्यक्ष विद्याभारती मध्यक्षेत्र के विशिष्ट आतिथ्य तथा आदरणीय श्री जुड़ावन सिंह ठाकुर अध्यक्ष, विद्याभारती छत्तीसगढ़ प्रान्त की अध्यक्षता में अखिल भारतीय वालीबॉल खेल प्रतियोगिता 2023 का उद्घाटन सम्पन्न हुआ।

विद्या भारती पश्चिम क्षेत्र स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता सम्पन्न

जीत के लिए मन की तैयारी करनी चाहिए - लक्ष्मीकांत पांडे

विदर्भ | किसी भी खिलाड़ी को जीतने के लिए सबसे पहले अपने मन को तैयार करना होगा। एक बार मन तैयार हो जाए तो वह अच्छा प्रदर्शन कर सकता है ऐसा विद्या भारती क्षेत्र स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के उद्घाटक सेवानिवृत्त शिक्षा सह संचालक और विद्या भारती पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष लक्ष्मीकांत पांडे ने कहा। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त इस प्रतियोगिता का आयोजन राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से उन्हीं के खेल मैदान में हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के खेल विभाग के निदेशक डॉ. शरद सूर्यवंशी ने की। विदर्भ एवं देवगिरि प्रांत के संगठन मंत्री शैलेश जोशी ने बताया कि खिलाडी स्वयं से स्पर्धा करें और अपने पुराने सर्वोच्च रिकार्ड को तोड़कर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा यहां से चयनित विद्यार्थी विद्या भारती की अखिल भारतीय प्रतियोगिता में जाएंगे। भोपाल में आयोजित 66वें राष्ट्रीय खेलों में 3000 मीटर बालिका दौड़ में कांस्य पदक जीतने पर पंडित बच्छराज व्यास विद्यालय की छात्रा भव्यश्री महल्ले और उनकी कोच सायली वाघमारे को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। मंच पर स्व. उषाताई अरविन्द टेंमुर्णीकर की स्मृति में आयोजित इस प्रतियोगिता के प्रायोजक ग्लोबल इंडियन इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक अरविंद टेंमुर्णीकर, प्रांत मंत्री डॉ. मंगेश पाठक, क्षेत्र खेल समन्वयक धर्मेशभाई जोशी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

क्षेत्रीय पूर्णकालिक कार्यकर्त्ता बैठक में श्री अवनीश भटनागर का सान्निध्य

हरिद्वार | उत्तर पूर्व क्षेत्रीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता बैठक, सरस्वती विद्या मंदिर मंदिर कॉलेज मायापुर, हरिद्वार (उत्तराखंड) में हुई।
बैठक में विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री खयालीराम सहित विद्या भारती उत्तर बिहार, विद्या भारती झारखंड और विद्या भारती दक्षिण बिहार के पूर्णकालिक कार्यकर्ता शामिल हुए।

विद्या भारती कर्नाटक के मास्टर रिसोर्स व्यक्तियों के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला

कर्नाटक | सत्य एजुकेयर कॉम्पिटेंसी ट्रस्ट ने विद्या भारती कर्नाटक के सहयोग से कर्नाटक के 11 जिलों के विद्या भारती विद्यालयों के मास्टर रिसोर्स व्यक्तियों के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। 43 मास्टर रिसोर्स ट्रेनर्स ने 9 से 13 अक्टूबर 2023 तक 21वीं सदी के लिए शिक्षा परिवर्तन पर गहन कार्यक्रम में भाग लिया। यह सत्य एडुकेयर डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर, भैरपुरा, देवनहल्ली तालुक, चिक्काबल्लापुरा जिला, कर्नाटक में एक आवासीय कार्यक्रम था। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि, विद्या भारती दक्षिण, मध्यक्षेत्र के सचिव, श्री अयाक्टिटुलु लक्ष्मण राव और सत्य एजुकेयर कॉम्पिटेंसी ट्रस्ट की निदेशक डॉ. विजयकुमारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के प्रेरक और विचारोत्तेजक भाषण और डॉ. विजयकुमारी के अध्यक्षीय भाषण ने 21वीं सदी की शिक्षा और सीखने, नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोण, सहकारी शिक्षण रणनीतियाँ, संकल्पना सीखने की रणनीतियाँ, परियोजना आधारित ज्ञान, शिक्षण अधिगम सामग्री, 5 ई मॉडल पाठ योजना और इकाई डिजाइन, और शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका जैसे क्षेत्रों पर कार्यशाला की कठोर प्रक्रिया के लिए आधार तैयार किया। कार्यशाला का सार सामाजिक रचनावाद के सिद्धांत पर आधारित था, जहां शिक्षक को बच्चे को अपने ज्ञान का निर्माण करने में सुविधा प्रदान करनी होती है।
विविध विचारों के एकीकरण से एक सीखने की जगह बनाने में मदद मिलेगी जो अनुभवात्मक सीखने की सुविधा प्रदान करती है। हर दिन ध्यान, प्रार्थना और सामान्य सत्रों का मिश्रण था जिसके बाद विषय-विशिष्ट सत्र होते थे जिनमें प्रदर्शन, गतिविधियाँ और चर्चा शामिल होती थी। प्रतिभागियों को प्रत्येक सत्र के बाद अपनी सीख प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया।
अत्यधिक प्रेरित संसाधन व्यक्ति निश्चित रूप से कई शिक्षकों को प्रभावित करेंगे और उनकी कक्षाओं को 21वीं सदी के शिक्षण स्थानों में बदलने को सुनिश्चित करने के लिए उनकी जिज्ञासा जगाएंगे। पूरी प्रक्रिया सहजीवी है, जहां शिक्षक और छात्र अंततः अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं।

NCF-FS पर आधारित कार्यकर्त्ताओं का प्रान्त प्रशिक्षण वर्ग

जिलों से चयनित कार्यकर्त्ताओं की NCF-FS पर आधारित शिशुवाटिका का प्रान्त प्रशिक्षण वर्ग 1-2 अक्टूबर को त्रिशूर, केरल में आयोजित।

अखिल भारतीय फुटबॉल प्रतियोगिता

केदारधाम । सरस्वती शिशु मन्दिर केदारधाम आवासीय विद्यालय में 34वीं अखिल भारतीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 27 राज्यों से 534 छात्रों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण एवं नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह जी ने कबड्डी की किट विद्यालय परिवार को प्रदान करने की घोषणा की। इस अवसर पर नवीन रावत, सह संयोजक, अखिल भारतीय खेलकूद प्रतियोगिता, श्री शिरोमणि दुबे प्रादेशिक सचिव विद्या भारती एवं कार्यक्रम अध्यक्ष श्री चन्द्रकांत त्रिपाठी सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्य भारत प्रान्त के प्रांतीय सचिव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में वंशी प्राचीका प्रथम

श्रीनगर | चौथी UT योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में भारतीय विद्या मंदिर डडवाड़ा की छात्रा वंशी प्राचीका ने आर्टिस्टिक योगासन सिंगल (उत्तम खिलाड़ी श्रेणी) में प्रथम स्थान प्राप्त किया और सानवी महाजन ने ट्रेडिशनल योगासन एवं आर्टिस्टिक सिंगल योगासन में द्वितीय स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता 22-23 अक्टूबर तक शेर-ए-कश्मीर इनडोर स्टेडियम श्रीनगर में आयोजित की गई। जिसमें जम्मू-कश्मीर के 17 जिलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अखिल भारतीय तीरंदाजी प्रतियोगिता

अखिल भारतीय शूटिंग, स्केटिंग व बालक वर्ग खो-खो प्रतियोगिता

अखिल भारतीय सूटिंग, स्केटिंग व बालक वर्ग खो-खो प्रतियोगिता का समापन समारोह बालेराम ब्रजभूषण सरस्वती विद्या मंदिर मेरठ पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र में सम्पन्न हुआ।

क्षेत्रीय गणित-विज्ञान मेला, उत्तर क्षेत्र - गीता बाल भारती दिल्ली

दिल्ली | विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय गणित विज्ञान मेला का उद्घाटन 14-16 अक्टूबर 2023 को गीता बाल भारती विद्यालय, राजगढ़ कॉलोनी के प्रांगण में हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी सुश्री गीतिका शर्मा, जनरल मैनेजर ,पर्यटन विभाग ,पर्यटन मंत्रालय, दिल्ली सरकार, विशिष्ठ अतिथि -डॉक्टर नील सरोवर भावेश, ग्रुप लीडर सीनियर साइंटिस्ट, वरिष्ठ वैज्ञानिक, इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी , डिपार्टमेंट ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली, मुख्य वक्ता - श्री देशराज जी, महामंत्री विद्या भारती उत्तर क्षेत्र, श्री रवि कुमार संगठन मंत्री, विद्या भारती दिल्ली एवं श्री राम गोपाल, महामंत्री, हिंदू शिक्षा समिति न्यास तथा प्रधानाचार्या श्रीमती शालिनी मिड्ढा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में लगभग 50 निर्णायक,लगभग 700 विद्यार्थियी तथा उनके संरक्षक उपस्थित रहे।

हैदराबाद में आचार्य परिवार सम्मेलन

हैदराबाद | कार्यस्थल में सामाजिक सम्पर्क को प्रोत्साहित करने के लिए, श्री विद्यारण्य आवासीय विद्यालय, श्री शारदाधामम ने अपनी टीम को एक आत्मीय सम्मेलन में एकत्रित किया, जहां कार्यकर्त्ताओं ने अपने परिवारों के साथ परस्पर बातचीत कर सहज अनुभव करने का आनन्द लिया।

श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी संगठन मंत्री, विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र और अयाचितुला लक्ष्मण राव सचिव, विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र, श्री अर्जुन गौड़ गरु अध्यक्ष, एसवीएवी और श्री बोड्डू श्रीनिवास गरु सचिव, एसवीएवी और अन्य समिति सदस्यों ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। सभी के लिए सहभोज की भी व्यवस्था की गई।

अखिल भारतीय खेलकूद (कैरम) प्रतियोगिता

हिमाचल | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित 34वें अखिल भारतीय खेलकूद कैरम का शुभारंभ सरस्वती विद्या हिम रश्मि परिसर शिमला में हुआ। उद्घाटन अवसर पर डॉ० राधा रमन शास्त्री पूर्व विधान सभा अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री हिमाचल प्रदेश सरकार रहे मुख्यातिथि।

विद्या भारती राष्ट्रीय खेल परिषद के उपाध्यक्ष रघुनाथ साहू, सहसंगठन मंत्री विद्या भारती उत्तर क्षेत्र श्री बाल किशन, उपाध्यक्ष विद्या भारती उत्तर क्षेत्र श्री सुरेन्द्र अत्री, सहसंयोजक खेलकूद विद्या भारती उत्तर क्षेत्र श्री रमेश बमोत्रा, श्री मोहन केस्टा, संगठन मंत्री विद्या भारती हिमाचल प्रान्त श्री ज्ञान सिंह, प्रान्त कार्यकरिणी सदस्य श्री दलीप ठाकुर, यादवेन्द्र शर्मा, श्री कुशल शर्मा एवं प्रान्त संयोजक खेलकूद श्री युगल किशोर की विशेष उपस्थिति रही। स्थानीय विद्यालय के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

समारोह में पूरे देश के 11 क्षेत्रों में से 8 क्षेत्रों की सहभागिता रहेगी। इस समारोह में खिलाड़ी छात्रों की कुल संख्या 183, संरक्षक आचार्य 30, निर्णायक आचार्य 10 रही।

नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा पर नौ दिवसीय पाठ्यक्रम

कर्नाटक | विद्या भारत से संबद्ध विद्यालयों के सेवारत शिक्षकों के लिए 02 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2023 तक रामकृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ मोरल एंड स्पिरिचुअल एजुकेशन (ईआरआईएमएसई), यादवगिरी, मैसूर में नौ दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। श्री रामकृष्ण आश्रम, मैसूर के अध्यक्ष श्रीमत स्वामी मुक्तिदानंदजी महाराज ने 02 अक्टूबर 2003 को पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री एस एन दुसी रामकृष्ण ने मुख्य भाषण दिया। पूरे कर्नाटक के 17 जिलों से 39 सेवारत शिक्षकों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।अनेक प्रतिष्ठित वक्ता, अवधारणा, आवश्यकता, जैसे विविध विषयों पर बात की और मूल्य शिक्षा का महत्व, मूल्य शिक्षा के उद्देश्य, मूल्य शिक्षा के स्रोत, मूल्य शिक्षा की पद्धति, मूल्य शिक्षा में पाठ योजनाओं की तैयारी मूल्य शिक्षा के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण, पूर्णता की ओर, भगवद गीता में मूल्य, उपनिषदों और मूल्य, कार्य नीति, निर्देशित ध्यान, प्राचीन भारत में मूल्य, योग के माध्यम से तनाव प्रबंधन विषयों पर भी बात की।संवैधानिक मूल्य, शिक्षण में व्यावसायिक नैतिकता, रामायण में मूल्य: महिला सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा, कर्मयोगी के रूप में शिक्षक, प्रभावी शिक्षण पर कार्यशाला। स्वामी विवेकानन्द के शैक्षिक विचार, जीवन की पाठशाला, आध्यात्मिक शिक्षा, संचार कौशल, कक्षाओं में मूल्यों को कैसे
एकीकृत किया जाए, लड़कियों और महिलाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना और शिक्षकों के लिए शारीरिक भाषा, प्रार्थना, ध्यान और योगासन नियमित विशेषताएं थीं।
समापन समारोह 10 अक्टूबर 2023 को आयोजित किया गया था, विद्या भारती काहेत्रिया के सचिव श्री अयाचितुला लक्ष्मण राव ने समापन भाषण दिया, RIMSE के संवाददाता श्रीमत स्वामी महामेधानंदजी महाराज ने अपना आशीर्वाद दिया। अखिल भारतीय संयुक्त सचिव डॉ. नंदिनी लक्ष्मीकांत ने भी सभा को संबोधित किया। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुस्तकें भी दी गईं।

हिमाचल | सरस्वती विद्या मंदिर शिलाई की पूर्व छात्रा अन्तर्राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सुश्री पुष्पा राणा चीन के हांगझोउ में सम्पन हुई 19वीं एशियन गेम्स में रही विजेता भारतीय टीम का अहम हिस्सा।

पुष्पा राणा ने विद्या भारती खेलकूद प्रतियोगिता में वर्ष 2013-14 में कबड्डी में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व (कप्तानी) करते हुए उत्तरक्षेत्र में प्रथम स्थान हासिल किया था, उसके बाद उत्तर क्षेत्र की टीम प्रतिनिधित्व (कप्तानी) करते हुए अखिल भारतीय खेलकूद कबड्डी छत्तीसगढ़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। पुष्पा राणा ने पूर्व में भी कबड्डी टीम का हिस्सा रहते हुए बहुत सी राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अनेक पदक प्राप्त किए हैं।

श्री एस.वी.एम. सुनाम की पूर्व छात्रा प्रियंका ने पंजाब सिविल सेवा परीक्षा (न्यायिक) में सफलता हासिल की है।

हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा परिणाम में गीता निकेतन आवासीय विद्यालय कुरुक्षेत्र के पूर्व छात्र जतिन मित्तल ने 15वां स्थान प्राप्त किया।

पूर्व छात्रा प्रियंका पंजाब के मानसा जिले के वीपीओ खिवा कलां निवासी को जज के पद पर चुना गया।

श्री गौरव मित्तल तारा चंद एस.वी.एम. पंजाब के भीखी ने पंजाब लोक सेवा आयोग (न्यायिक) में सफलता हासिल की है।

दयानंद पब्लिक स्कूल पांडुसर नाभा (पंजाब) के पूर्व छात्र श्री हरद्यांशु ने सिविल सेवा परीक्षा (जे) परीक्षा उत्तीर्ण कर न्यायाधीश के रूप में पंजाब न्यायिक सेवा में शामिल हुए।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन
जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर,
नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net | www.vidyabharatisamvad.com

vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com

91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में ,